

॥ श्रीः ॥
चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला
527
—❁—

हर-गौरीसंवादात्मकं
तोडलतन्त्रम्
❁
निर्वाणतन्त्रम्
भाषाटीकासमन्वितम्

व्याख्याकारः
श्री एस० एन० खण्डेलवाल



चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
वाराणसी

विषयानुक्रमः

विषयाः

पृष्ठाङ्काः

प्रथमः पटलः

भैरवनिरूपणम्

१

द्वितीयः पटलः

ज्ञानयोगसप्तस्वर्गसप्तपातालइडादिनाडीयोनिमुद्रासनकथनम्

६

तृतीयः पटलः

वद्वयोनिमुद्रा, कालिकामन्त्रः, कालिकापूजाक्रमः, तारामन्त्रः, कालिकागायत्री, तारागायत्री, कालिकापूजासूत्रम्, कालिकासंक्षेपपूजा

१०

चतुर्थः पटलः

तारापूजाप्रकारः, पञ्चतत्त्वशोधनम्, तारासंक्षेपपूजा

२३

पञ्चमः पटलः

शिवमन्त्रः, पार्थिवपूजासूत्रम्, अष्टमूर्तिपूजासूत्रम्

३१

षष्ठः पटलः

कालिकामन्त्रवासना, महाविद्यापुरश्चरणम्, तारामन्त्रवासना

३९

सप्तमः पटलः

देहयोगकथनम्, देहे सप्तद्वीपादिकथनम्, ब्रह्माण्डपरिमाणम्, पृथिवीपरिमाणम्, सप्तसागरपरिमाणम्, देहे पीठवर्णनम्

४८

अष्टमः पटलः

देहे नाडीसङ्ख्याकथनम्

५४

नवमः पटलः

नवार्णमन्त्रवासना, दीर्घायुलाभकरणम्, षट्चक्रभावना, कुण्डलिन्याः माला-
रूपकत्वम्, मालाजपफलम्, षट्चक्रजपफलम्, भूतकात्यायनीमन्त्रः, भूत-
कात्यायनीध्यानम्, भूतकात्यायनीपूजाप्रयोगः, काकीचञ्चुमुद्रा, स्वल्पयोनि-
मुद्रा, दशावतारकथनम्

५८



निर्वाणतन्त्रम्

भाषाभाष्यसमन्वितम्

विषयानुक्रम

पटल

पृष्ठाङ्क

प्रथम पटल

१

(जगदुत्पत्ति-विषयक चण्डिका का शिव से प्रश्न एवं उसका समाधान, ब्रह्माण्ड के आकार का विवेचन, ब्रह्म संज्ञक पुत्रकी उत्पत्ति, कालिका का ब्रह्मा के लिये विवाह का परामर्श, शिव-शक्ति के आठ विभाग का निरूपण, ब्रह्म-निरूपण)

द्वितीय पटल

६

(पार्थिव जीव-सृष्टि-जन्म-मृत्यु-पिण्डदानादि का वर्णन)

तृतीय पटल

१०

(प्रकृति से जगत् की सृष्टि, गायत्री का स्वरूप, षडंगन्यास मन्त्र, जीवन्यासादि द्वारा गायत्री-पूजा, आपोमार्जन, शिरःस्थित महापद्म में महादेव रूप परमगुरु को प्रणाम आदि)

चतुर्थ पटल

१७

(संन्यासी, अवधूत, ब्रह्मचारी, गृहस्थ का वर्णन, बृहद् ब्रह्माण्ड का स्वरूप, योग-वर्णन)

पञ्चम पटल

२०

(भूरादि लोक-वर्णन, गोलोक-वर्णन, वैकुण्ठ-वर्णन, विष्णुसेवा, राधाकृष्ण भजनादि से विष्णुलोक की प्राप्ति का वर्णन)

षष्ठ पटल

२६

(महापद्म तथा रुद्रालय-वर्णन, महाविद्या तथा भद्रकाली की कृपा से त्रिदेव द्वारा ब्रह्माण्ड की सृष्टि, स्थिति तथा संहारकार्य)

सप्तम पटल

२८

(महापद्म के ऊर्ध्व में भुवनेश्वरी विद्या, भूः-भुवः तथा स्वर्लोक में त्रिदेवों का अवस्थान, भुवनेश्वरी की ही शक्ति शिव में क्रियाशील, महर्लोक का वर्णन)

पटल	पृष्ठाङ्क
अष्टम पटल	३१
(षोडश पत्रयुक्त पद्म का वर्णन, सदाशिव तथा महागौरी-महिमा)	
नवम पटल	३४
(ज्ञानपद्म का स्वरूप, तपः महः जनः लोकों में मुक्ति आदि का विवरण, शम्भु-कीर्तन से मुक्तिप्राप्ति)	
दशम पटल	३८
(सुमेरु के ऊपर सहस्रदल का वर्णन, ब्रह्मादि की दिव्य भाव में स्थिति, चौदह भुवन, सात पाताल एवं सात स्वर्ग-वर्णन, विष्णुसृष्टि-वर्णन, कल्पवृक्षस्थ ज्योतिर्मण्डल में चणकाकार सदाशिव एवं महाकाली-वर्णन, सत्यलोक के बीजकोष में निरंजन स्वरूप का ध्यानादि-वर्णन, आद्या शक्ति महाकाली के नाम से मृत्युभय का नाश)	
एकादश पटल	४७
(श्री चण्डिका के प्रश्न के उत्तर में शिव द्वारा पञ्चतत्त्व (पञ्चमकार) का उपदेश)	
द्वादश पटल	५३
(वैष्णवों के पञ्चतत्त्व का निरूपण)	
त्रयोदश पटल	५५
(दशार्ण मन्त्र का स्वरूप, श्रीगुरुतत्त्व, गृहस्थ के कर्तव्य, संन्यास का अधिकारी कौन? कामादि छः शत्रुओं पर जय करके ही पञ्चमकार का सेवन, दण्डी के कर्तव्य, संन्यास-वर्णन)	
चतुर्दश पटल	६६
(अवधूत-निर्णय, अवधूत के कर्तव्य, वीरभाव से मुक्ति की प्राप्ति, परमहंस अवधूताचार-वर्णन, अवधूत शरणागत भक्त-प्रशंसा, गृहस्थ ब्रह्मचारी के लक्षण एवं उनके आचरण का वर्णन)	
पञ्चदश पटल	७३
(शम्भु-अर्चन, शम्भु का पञ्चाक्षर एवं षडक्षर मन्त्र, शम्भु के विविध रूप, नीलकण्ठ-पूजा का निषेध, पार्थिव शिवपूजन, शिव की आठ मूर्तियों का पूजन, शिवपूजा के अनन्तर शक्तिपूजा का आवश्यकत्व, देवपूजा में प्रथमतः शिव-पूजन)	